अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : पाँचवीं – जैन धर्म चन्द्रिका (परीक्षा 20 जुलाई, 2014)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	कुल योग
प्राप्तांक								
पूर्णांक	10	10	10	10	24	24	12	100
पुनः जाँच								

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) प्रतिक्रमण का सार किस पाठ में आता है -

(क) 18 पापस्थान (ख) दर्शन समकित

(ग) इच्छामि ठामि (घ) क्षमापना पाठ ( )

(b) बारह व्रतों में बिना किसी करण कोटि का कौनसा व्रत है -

(क) 9 वाँ व्रत (ख) 10 वाँ व्रत

(ग) 11 वाँ व्रत (घ) 12 वाँ व्रत ( )

(c) अक्षर को आगे-पीछे करके पढ़ना कौनसा अतिचार है -

(क) वच्चामेलियं (ख) वाइद्धं

(ग) हीणक्खरं (घ) पयहीणं ( )

(d) समिति-गुप्ति का थोकड़ा किस सूत्र से लिया गया है -

(क) उत्तराध्ययन सूत्र (ख) दशवैकालिक सूत्र

(ग) सूत्रकृत्तांग (घ) आचारांग सूत्र ( )

(e) एषणा समिति में कितने दोषों को टाला जाता है -

(क) 10 दोष (ख) 42 दोष

(ग) 52 दोष (घ) 16 दोष ( )

(f) वैद्य की तरह चिकित्सा करके आहारादि लेवे तो कौनसा दोष लगता है -

(क) आजीव (ख) वणीमगे

(ग) तिगिच्छे (घ) दूई ( )

(g) ग्रहणैषणा के कितने भेद हैं -

(क) 05 (ख) 10

(ग) 16 (घ) 04 ( )

(h) पोरिसिं का प्रत्याख्यान कितने प्रहर का होता है -

(क) एक (ख) दो

(ग) तीन (घ) चार ( )

(i) 'सद्दाणुवाए' शब्द किस व्रत का अतिचार है -

(क) 8 वाँ (ख) 9 वाँ

(ग) 10 वाँ (घ) 11 वाँ ( )

(j) 'बहुमयं' शब्द प्रतिकमण सूत्र के किस पाठ से लिया गया है -

(क) 10वाँ व्रत (ख) छोटी संलेखना

(ग) सातवाँ व्रत (घ) बड़ी संलेखना ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1=(10)

(a) कंदप्पे का अर्थ है- निरर्थक वचन बोला हो। ( )

(b) 'कालाइक्कमे ' अतिथि संविभाग व्रत का अतिचार है। ( )

(c) प्रमाद का प्रतिकमण श्रेणिक राजा ने किया। ( )

(d) प्रतिकमण में प्रकाश का पाठ दर्शन समकित का पाठ है। ( )

(e) सावद्य भाषा बोलना आदि प्रवृतियाँ अकरणीय है। ( )

(f) ईर्या समिति के पाँच कारण हैं। ( )

(g) ठवणा का अर्थ साधु के निमित्त अशनादि आहार स्थापना करना है। ( )

(h) साधु के निमित उधार लाकर देवें तो कीय दोष लगता है। ( )

(i) भक्तामर स्तोत्र पापों का नाश करने वाला है। ( )

(j) 'दिसामोहेणं ' एकासना प्रत्याख्यान का आगार है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1=(10)

(a) मेरा समय कम से कम एक मुहूर्त्त का होता है। .....

(b) मैंने पूर्वभव में जाति का मद किया। .....

(c) मैं चारित्र मोहनीय कर्म की प्रबलता से होने वाली इच्छा हूँ। .....

(d) काल की अपेक्षा से मैं पाँच प्रकार का हूँ। .....

(e) मैंने अशुभ योग का प्रतिक्रमण किया। .....

(f) मैं आत्मा को मलिन कर देता हूँ। .....

(g) जीभ की लोलुपता वश साधु को ये दोष लगते हैं। .....

(h) संयम की रक्षा के लिए साधु मुझे ग्रहण करते हैं। .....

(i) मैं वह दोष हूँ जो भोजन में गृद्ध होकर उसके स्वाद की प्रशंसा करते हुए खाने से लगता हूँ। .....

(j) मेरा एक आगार 'लेवालेवेणं' है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a)	इच्छामि खमासमणो	-	भक्तामर स्तोत्र	.....
(b)	महाविदेह	-	कुंथुनाथ	.....
(c)	दुगुंच्छियं	-	सिद्ध	.....
(d)	आणवणप्पओगे	-	विजय	.....
(e)	ऋषभदेव	-	शकट कर्म	.....
(f)	करूणासागर	-	क्षमापना पाठ	.....
(g)	अगुरूलघु	-	विसोहणत्थं	.....
(h)	यंत्रों के काम	-	आवस्सियाए	.....
(i)	विशुद्धि के लिए	-	अरिहंत	.....
(j)	देवदुन्दुभि	-	मर्यादित क्षेत्र से बाहर की वस्तु आज्ञा देकर मांगना	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए :- **12x2 = (24)**

(a) अतिचार किसे कहते हैं ?

.....

.....

(b) संत-सतियों को मुख्यतः कितने प्रकार की वस्तुएँ दान दे सकते हैं ?कोई चार वस्तुओं के नाम भी लिखिए।

.....

.....

(c) आदान-भाण्ड-मात्र निक्षेपणा समिति किसे कहते हैं ?

.....

.....

(d) चार मूल सूत्रों के नाम लिखिए।

.....

.....

(e) छठें व्रत के अतिचार लिखिए।

.....

.....

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(f) पुव्विपच्छासंथवं ..... मूलकम्मे य।

.....

.....

(g) अल्पश्रुतं ..... बलान्माम्।

.....

.....

(h) दूरे ..... विकाश भाञ्जि।

.....

.....

(i) इक्कीसवाँ ..... भरतार।

.....

.....

(j) विमलनाथ का ..... धरते।

.....

.....

(k) पोरिसिं ..... वोसिरामि।

.....

.....

(l) एगासणं ..... सहसागारेणं।

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए :- **8x3=(24)**

(a) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए -

(i) सावज्जजोग ..... (ii) अवज्झाणायरिये .....

(iii) ओदणविहि ..... (iv) तक्करप्पओगे .....

(v) संभीमं ..... (vi) महत्तरागारेणं .....

(b) **प्रतिक्रमण आवश्यक क्यों है ?**

.....

.....

.....

(c) **प्रतिक्रमण में सच्ची बात प्रकट करने को अतिचार कहा है, कैसे ?**

.....

.....

.....

(d) **प्रमादाचारण किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

(e) **सामायिक व पौषध में अन्तर लिखिए।**

.....

.....

.....

(f) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए तथा बताइये कि ये कौनसे दोष हैं -**

(i) **पूईकम्मे** (ii) **मूलकम्मे**

.....

.....

.....

(g) **परिभोगैषणा के दोषों का नाम लिखते हुए यह बताइये कि ये दोष कब लगते हैं व किसको लगते हैं ?**

.....

.....

.....

(h) **विविहा रोगायंका ..... शुद्ध होऊँ। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

प्र.7 निम्न रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :- **4x3 = (12)**

(a) **चित्रं** .....

.....

.....

..... **कदाचित् ?**

(b) **निम्न गाथा का भावार्थ लिखिए -**

वक्त्रं क्व ते सुरनरोरगनेत्रहारि, निःशैष-निर्जित जगत्त्रितयोपमानम्।

बिम्बं कलंक-मलिनं क्व निशाकरस्य, यद्वासरे भवति पांडुपलाशकल्पम्।।

.....

.....

.....

.....

(c) **मल्लिनाथ** .....

.....

.....

..... **गुरूदेव को चित्त में धरते।।**

(d) **आयम्बिल सूत्र लिखिए।**

.....

.....

.....

.....